



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 24 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1320 घंटे

विषय: (i) गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे झारखंड और उत्तरी ओडिशा के ऊपर बने कम दबाव वाले क्षेत्र के असर से, 24 तारीख को ओडिशा और झारखंड में; 24 और 25 तारीख को छत्तीसगढ़ में; और 24 से 26 अगस्त के दौरान मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 3 से 4 दिनों के दौरान बिहार और उत्तर प्रदेश में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

(ii) अगले एक हफ्ते तक प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

आज, 24 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, केरल, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ औसत समुद्र तल पर मॉनसून ट्रफ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के उत्तर में है और पूर्वी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ कल गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा, झारखंड और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र आज, 24 अगस्त 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे झारखंड और उत्तरी ओडिशा के ऊपर स्थित था। इस सिस्टम के अगले 24 घंटों के दौरान झारखंड और उत्तरी ओडिशा से होते हुए उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- ❖ यह ट्रफ अब दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश से शुरू होकर उत्तरी मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़ और झारखंड से होते हुए, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे झारखंड और उत्तरी ओडिशा के ऊपर बने कम दबाव वाले क्षेत्र से जुड़े साइक्लोनिक सर्कुलेशन तक निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर फैली हुई है।
- ❖ मध्य और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक वेस्टर्लीज़ में एक ट्रफ के रूप में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (जिसकी धुरी मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर है) अब लगभग 68°E देशांतर (longitude) के साथ 28°N अक्षांश (latitude) के उत्तर में फैली हुई है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तरी हरियाणा और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पूर्वोत्तर असम और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर, मध्य से ऊपरी क्षोभमंडल (ट्रोपोस्फेरिक) स्तर के बीच एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 24-28 अगस्त और 30 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; और 24-30 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में भी कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; और 24-30 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में काफी ज्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 25-27 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28-30 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 24-30 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; और 24-26 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 24 अगस्त और 29-30 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 24 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 25 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 24-26 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 24-26 अगस्त; पूर्वी मध्य प्रदेश में 24-29 अगस्त; विदर्भ में 24-28 अगस्त; और छत्तीसगढ़ में 24-30 अगस्त के दौरान काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 27-30 अगस्त; पूर्वी मध्य प्रदेश में 30 अगस्त; और विदर्भ में 29-30 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 24-28 अगस्त; और छत्तीसगढ़ व विदर्भ में 24-26 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 27 अगस्त; पूर्वी मध्य प्रदेश में 27-30 अगस्त; विदर्भ में 24-26 अगस्त; और छत्तीसगढ़ में 26-28 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 24-26 अगस्त; और छत्तीसगढ़ में 24-25 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 24 से 30 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 25-26 अगस्त को बिहार में; और 24 अगस्त तथा 27-30 अगस्त के दौरान ओडिशा में काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 24 अगस्त और 27-30 अगस्त के दौरान बिहार में; और 25-26 अगस्त के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 24-30 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 24-25 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 24-27 अगस्त के दौरान झारखंड और ओडिशा में; और 24-30 अगस्त के दौरान बिहार में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 24-25 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 25-28 अगस्त के दौरान झारखंड में; 24-27 अगस्त के दौरान बिहार में; और 27-30 अगस्त के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 24 अगस्त को झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 24-26 अगस्त और 29-30 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 24 अगस्त और 27-30 अगस्त के दौरान काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 27-28 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 25-26 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 24-27 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय में 24-28 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 24-30 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 24 से 30 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में; 25 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र में; और 24-25 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा में काफी ज्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 24 अगस्त और 26 से 30 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 26 से 30 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा में; और 24 से 30 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 24-25 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 24-26 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 24 से 30 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 29 से 30 अगस्त के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 25 से 30 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 24 से 28 अगस्त के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 24 से 30 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक में; 24 अगस्त को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 24 से 26 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 24 से 25 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, लक्षद्वीप, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 24 से 28 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 26 अगस्त को केरल और माहे और लक्षद्वीप में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 24 से 25 अगस्त के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 24 से 25 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 25 से 26 अगस्त के दौरान केरल और माहे में; 24 अगस्त को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 24 अगस्त को केरल और माहे में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 24 से 26 अगस्त के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 24 से 25 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 24 से 28 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ **अरब सागर:** सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर, पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 29 अगस्त तक; 27 से 29 अगस्त के दौरान पूर्व-मध्य और उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों में; कर्नाटक, केरल और लक्षद्वीप इलाके के तटों के पास और उनसे दूर 27 अगस्त तक।

- ❖ **बंगाल की खाड़ी:** कोमोरिन इलाके से सटे मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों और अंडमान सागर के ऊपर 29 अगस्त तक। 24 अगस्त को ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास और उनसे दूर (पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों से सटे), श्रीलंका तट से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पूर्व व मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 25 अगस्त को उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास (पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों से सटे) और दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 26 अगस्त को पश्चिम-मध्य, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 27 से 29 अगस्त के दौरान दक्षिण श्रीलंका तट से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 28 अगस्त को पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

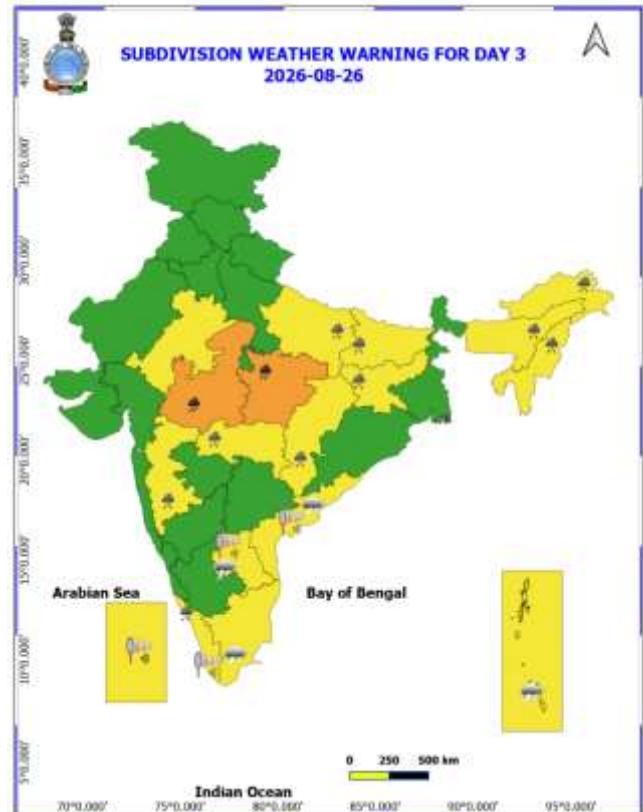
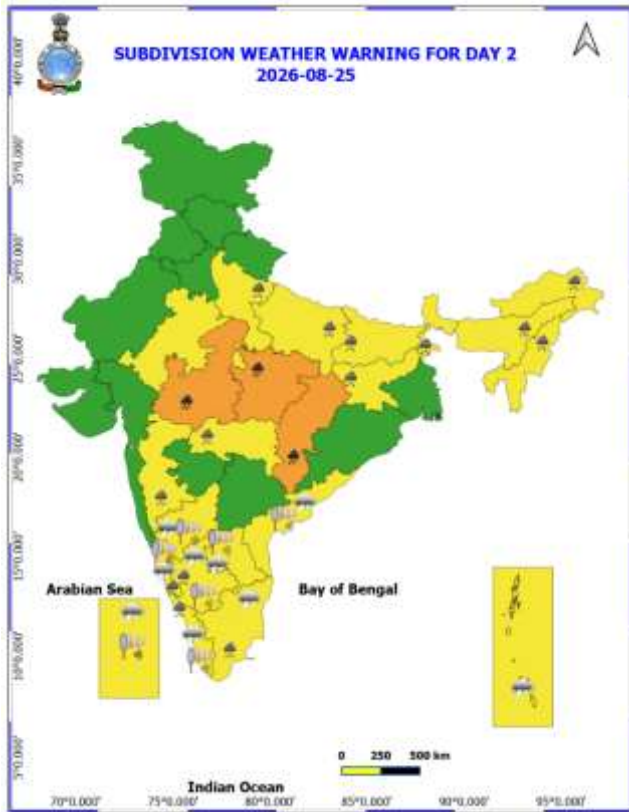
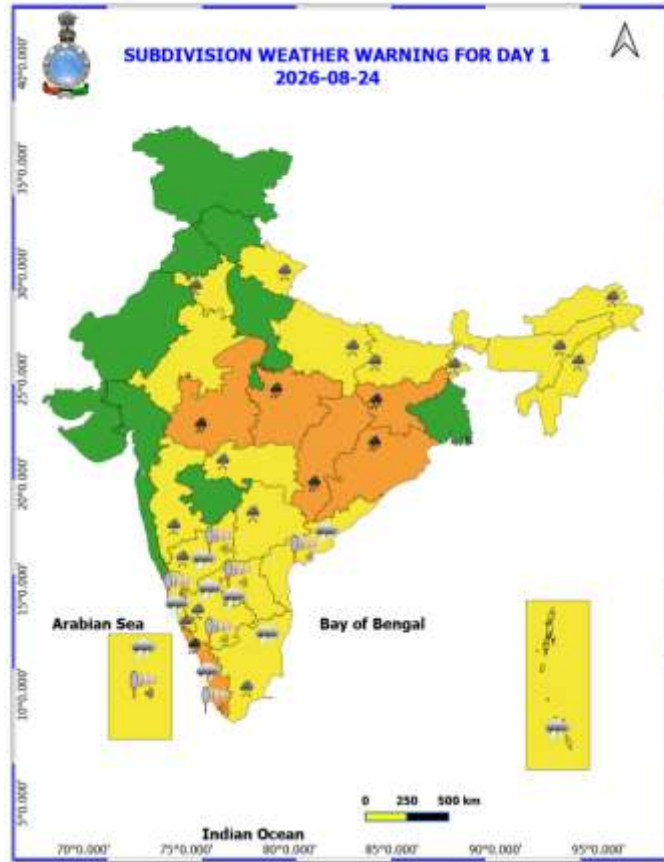
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

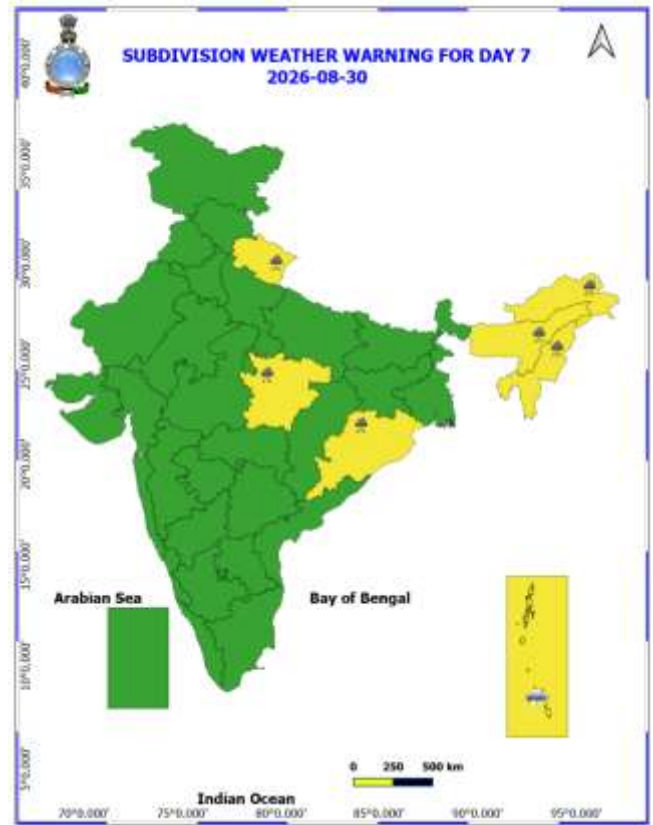
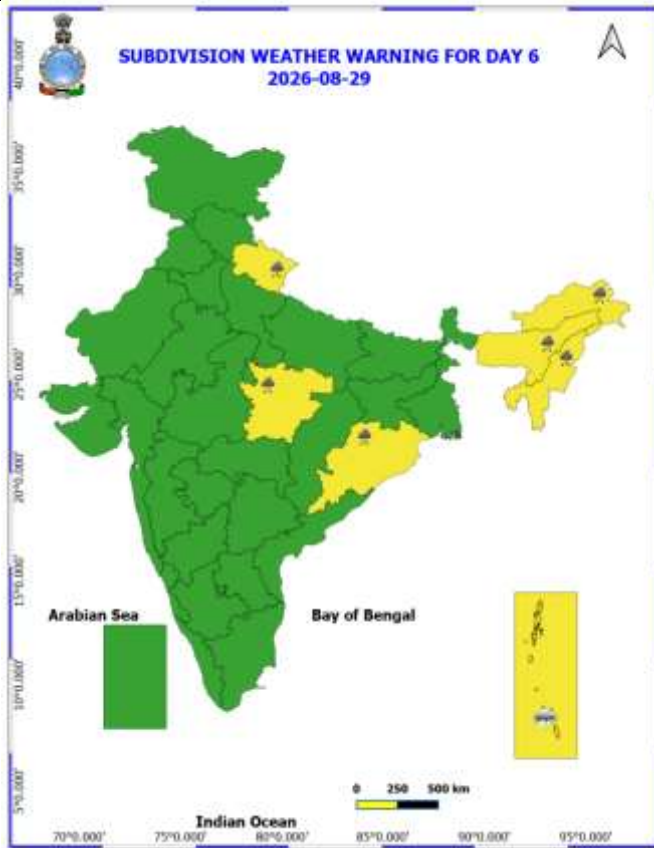
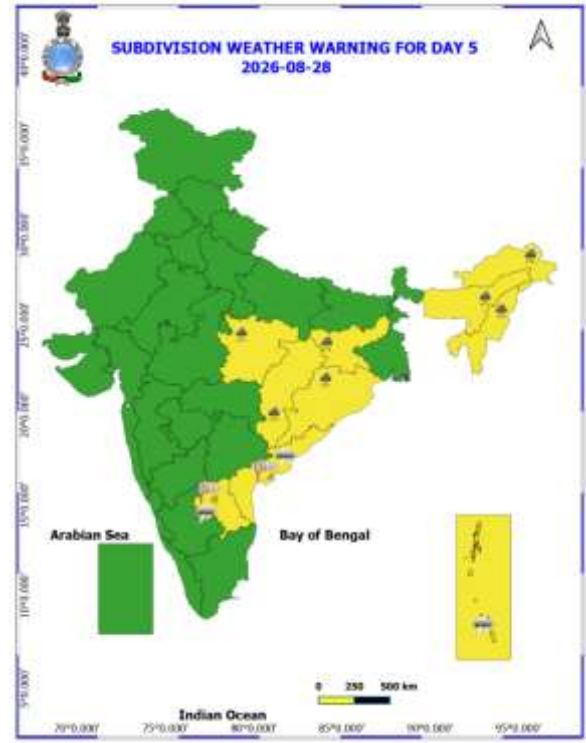
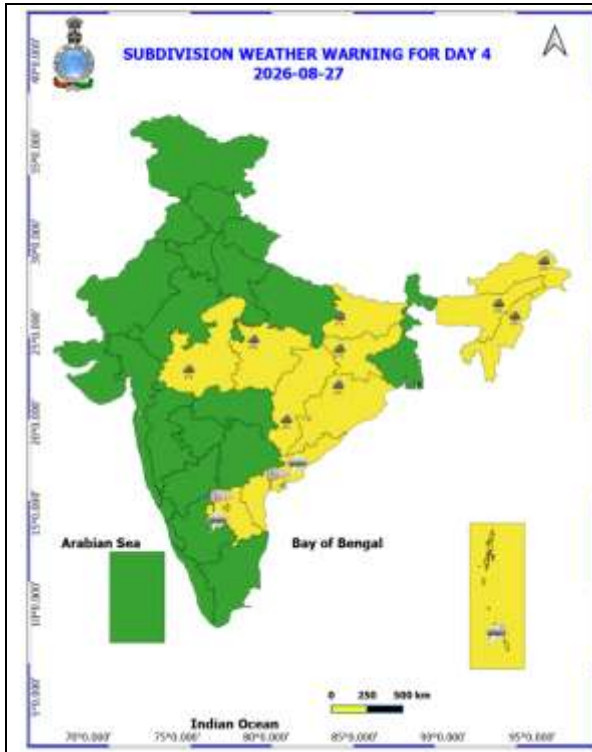
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ छत्तीसगढ़: नारायणपुर 18
- ❖ ओडिशा: केंदुझार 17
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: करेरा (शिवपुरी) 14
- ❖ असम: उदयपुर 10
- ❖ केरल और माहे: अय्यनकुन्नु एडब्ल्यूएस (कन्नूर जिला) 10
- ❖ झारखंड: पश्चिमी सिंहभूम 10
- ❖ पूर्वी राजस्थान: कुम्बर(डीडीईजी) 9
- ❖ केरल: अय्यनकुन्नु एडब्ल्यूएस (कन्नूर जिला) 10
- ❖ तटीय कर्नाटक: नीलकुंड (जिला उत्तर कन्नड़) 9
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक: हुमनाबाद (जिला बीदर) 8
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: ओरछा (निवाड़ी) 8
- ❖ तमिलनाडु: उपासी ट्रफ एडब्ल्यूएस, कोयंबटूर जिला 7
- ❖ कर्नाटक: नीलकुंड (जिला उत्तर कन्नड़) 9, हुमनाबाद (जिला बीदर) 8, अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोग्गा) 7
- ❖ तेलंगाना: पितलम (जिला कामारेड्डी) 8
- ❖ नागालैंड: वोखा (एडब्ल्यूएस) 8
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: लोंगडिंग 7
- ❖ बिहार: खगड़िया 7
- ❖ उत्तर प्रदेश: तालबेहट (ललितपुर) 7, अकबरपुर एफएमओ (अम्बेडकर नगर) 7
- ❖ हिमाचल प्रदेश: नैना देवी 7
- ❖ उत्तराखंड: ऋषिकेश (नीलकंठ) 7
- ❖ हरियाणा: झिरका (जिला नूंह) 7

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	24- Aug	25- Aug	26- Aug	27- Aug	28- Aug	29- Aug	30- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
9	BIHAR	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
21	GUJRAT REGION	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	FWS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

24 अगस्त से 27 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में $1-2^{\circ}\text{C}$ की गिरावट और न्यूनतम तापमान में $1-2^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $32-34^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $24-28^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आमतौर पर बादल छाए रहे और उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा की गति से सतही हवा चली। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से सतही हवा चलने और आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

24.08.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर के समय ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ जगहों पर भारी बारिश और आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। शाम/रात के समय ज्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश और आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $33-35^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से सतही हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

25.08.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर तक कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दोपहर से शाम के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 18 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

26.08.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी।

27.08.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय इसकी रफ़्तार 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार कम होकर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

बहुत भारी/ बहुत ज़्यादा भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 24 तारीख को ओडिशा और झारखंड में; 24 और 25 तारीख को छत्तीसगढ़ में; और 24 से 26 अगस्त के दौरान मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ झारखंड में, सभी खड़ी फसलों, खासकर मक्का और अरहर में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और जल-जमाव न होने दें। कटी हुई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें और सब्जियों के पौधों की सुरक्षा करें। बारिश कम होने और खेत की स्थिति ठीक होने तक खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें।
- ❖ ओडिशा में, खरीफ़ धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, केला, सब्जियों के खेतों और नर्सरी बेड से अतिरिक्त पानी की लगातार और असरदार निकासी सुनिश्चित करें। खेतों की नालियों, आउटलेट और मेड़ों को साफ़ और चालू हालत में रखें। पानी जमा होने वाले इलाकों में मक्का और मूंग की बुवाई/दोबारा बुवाई टाल दें और बाजरे के खेतों में पानी जमा न होने दें। सब्जियों, केले, पपीते और बागवानी के नए पौधों को सहारा दें।
- ❖ मध्य प्रदेश में, मक्का, सोयाबीन, गन्ना, कपास, सब्जी, दाल और तिलहन के खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम रखें और अतिरिक्त पानी को तुरंत निकाल दें। मिट्टी के काम करने लायक होने तक खाद डालने और खेती से जुड़े अन्य काम टाल दें। सब्जियों के छोटे पौधों को सहारा दें और गन्ने को गिरने से बचाने के लिए सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स), दालों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए लगातार और असरदार निकासी सुनिश्चित करें। निचले इलाकों में मक्का, अदरक, हल्दी और सब्जियों के खेतों की नालियों को साफ़ करें और कद्दू-वर्गीय फसलों, टमाटर और शिमला मिर्च को सहारा दें।

- ❖ विदर्भ में, सोयाबीन, कपास, मक्का और अन्य खड़ी फसलों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें और बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। मिट्टी के काम करने लायक होने तक खाद डालने, पौधों की सुरक्षा और खेती से जुड़े अन्य काम टाल दें और सब्जियों के छोटे पौधों व अन्य कमजोर फसलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।
- ❖ केरल में, धान, जायफल, नारियल और बागान वाली अन्य फसलों के आस-पास पानी की निकासी सुनिश्चित करें और पानी जमा होने वाले इलाकों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। ताड़ और अदरक के खेतों के आस-पास पानी की निकासी का अच्छा इंतजाम रखें और गीले मौसम में धान में ज्यादा नाइट्रोजन न डालें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी, सोयाबीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और बागों में अतिरिक्त पानी निकालने और जल-जमाव रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें। बालियां निकलने और फूल आने के समय मोटे अनाज (मिलेट्स) के खेतों में पानी की निकासी अच्छी रखें और पौधों के बीच सही दूरी और खेत की साफ-सफाई बनाए रखें।
- ❖ असम और मेघालय में, धान, गन्ना, अरहर, मूंग, तिल, जूट और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम रखें और खेतों की नालियों को साफ रखें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ सही समय पर जूट की कटाई करें और बारिश के दौरान खाद डालने या पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें। मेघालय में, मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और धान के खेतों की मेड़ों को ठीक रखें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों, सब्जियों और मूंगफली के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतजाम करें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ पके हुए मक्के के भुट्टे और अदरक की कटाई करें और बारिश रुकने तक पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, जल-जमाव को रोकने के लिए सब्जियों के खेतों, बागों, धान और रागी की नर्सरियों में पानी की निकासी के रास्तों को साफ करें। धान और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें, मिर्च के पौधों को भारी बारिश से बचाएं और भिंडी व करेले के पौधों को गिरने और पानी जमा होने से बचाने के लिए सहारा दें।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, गन्ना, मक्का, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), राजमा, रागी, अदरक और टमाटर के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने का सही इंतजाम करें। मिट्टी के कटाव, जल-जमाव और पौधों के गिरने की समस्या को कम करने के लिए सीढ़ीदार खेतों के निकास रास्तों को साफ करें और मेड़ों को मजबूत करें; साथ ही टमाटर और अन्य सब्जियों के पौधों के लिए खूंटे और मचान को सुरक्षित करें।
- ❖ तमिलनाडु में, धान की नर्सरियों और धान की खड़ी फसलों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें और धान की रोपाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो। गीले मौसम में सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें और कमजोर छोटे पौधों व सब्जियों को सहारा दें।
- ❖ कर्नाटक में, मक्का और अदरक के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें और अतिरिक्त पानी को तुरंत निकाल दें। तटीय इलाकों में, काली मिर्च, सुपारी और नारियल के बागानों में पानी की निकासी का इंतजाम करें और केले, पपीते व छोटे पौधों को सहारा दें; धान की रोपाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो।
- ❖ तेलंगाना में, गीले मौसम में खाद डालने और खेत के अन्य काम न करें और बारिश के बाद जब मिट्टी की हालत ठीक हो जाए, तब ये काम फिर से शुरू करें। तिल की बुवाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो और खड़ी फसलों में, खासकर उन इलाकों में जहाँ बारिश हुई है, पानी की निकासी का सही इंतजाम करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मजबूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।

- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक आई बाढ़ के लिए दिशा-निर्देश:

25-08-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर):

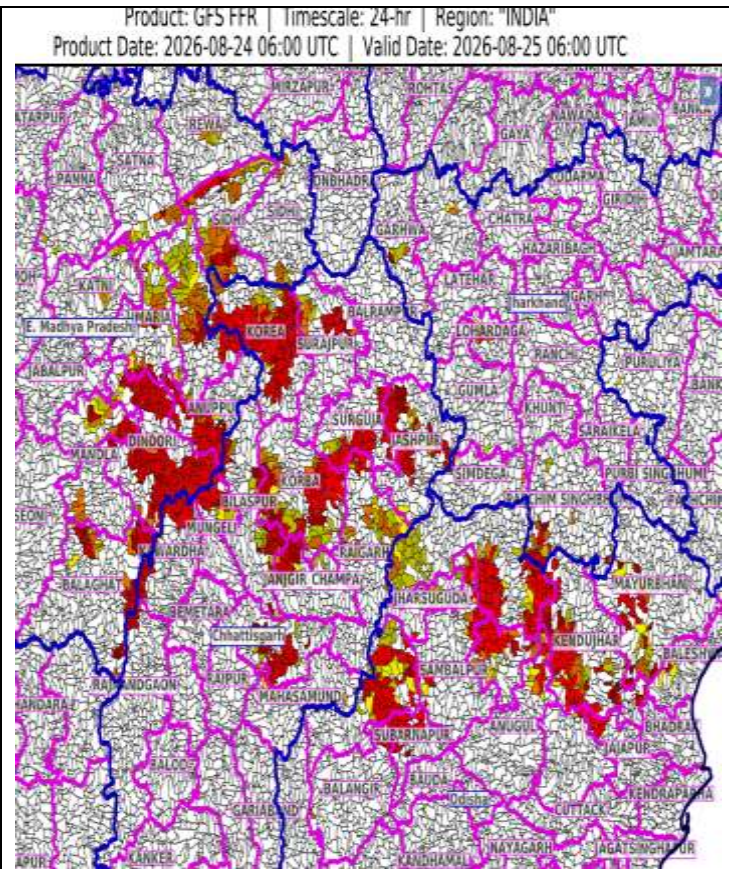
अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

ओडिशा: बालासोर, कयोंझरगढ़, मयूरभंज, जाजपुर, ढेंकनाल, अंगुल, सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, देवगढ़, संबलपुर, सोनपुर और बरगढ़ जिले

छत्तीसगढ़: कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर, कोरबा, बिलासपुर, रायगढ़, जांजगीर, बलौदा बाजार, महासमुंद, मुंगेली, कबीरधाम और राजनांदगांव जिले

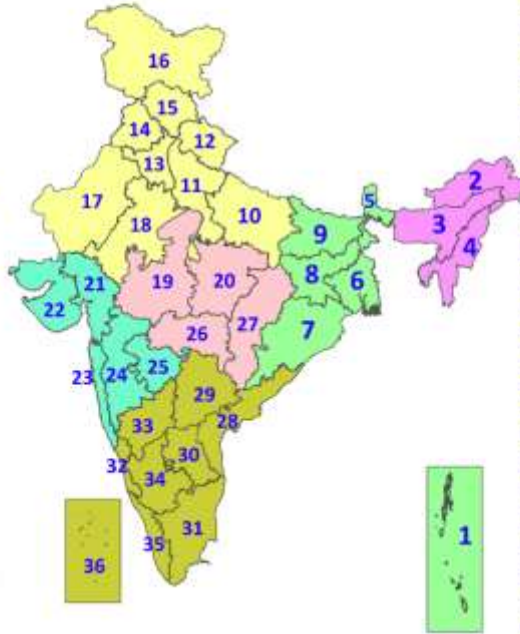
पूर्वी मध्य प्रदेश: बालाघाट, डिंडोरी, मंडला, अनुपपुर, कटनी, शहडोल, रीवा, सीधी, उमरिया, सतना और सिंगरौली जिले

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm * Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm * Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions (a) Based on Departure from normal Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C. Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$ (b). Based on Actual maximum temperature Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$. Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$ (c). Criteria for heat wave for coastal stations When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$
Warm Night	When maximum temperature remains 40°C Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C. Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.
Cold Wave	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions. (a). Based on departure Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C. Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$ (b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only) Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$ Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$ (c) For Coastal Stations When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$
Cold Day	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions Based on departure Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C. Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
Fog	Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$ Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	Ice deposits on ground Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)
Squall	A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute. Moderate: Wind speed 52-61 kmph Severe: Wind speed 62-87 kmph Very Severe: Wind speed > 87 kmph
Sea State	Effect of various waves in the sea over specific area Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre
Cyclone	Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
 Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
 For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
 (Service to the Nation since 1875)